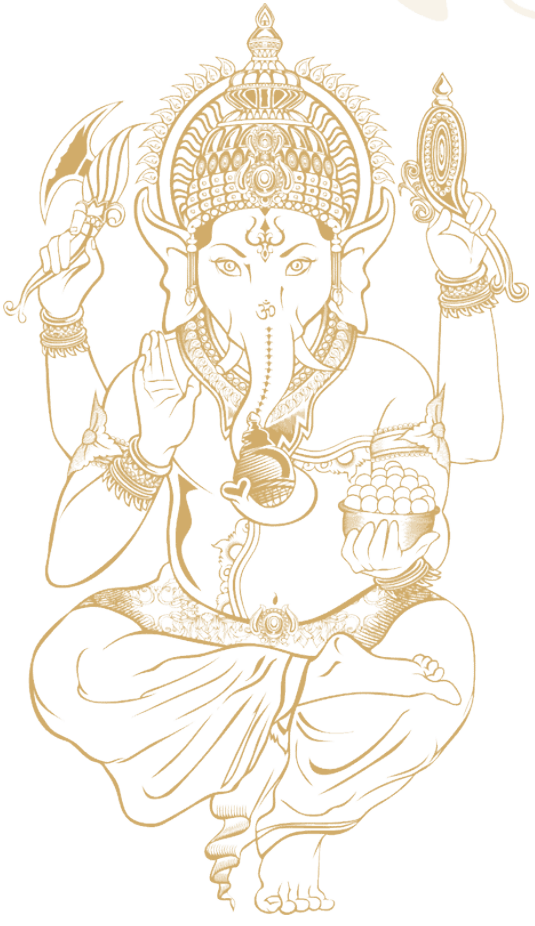

Gaorab

05 Aug 2001

12:45 PM

Jhunjhunu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121433702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/08/2001**
दिन	रविवार
जन्म समय	**12:45:00 घंटे**
इष्ट	17:11:12 घटी
स्थान	**Jhunjhunu**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:05:00 उत्तर
रेखांश	75:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:17:00 घंटे
वेलान्तर	-00:05:59 घंटे
साम्पातिक काल	09:12:39 घंटे
सूर्योदय	05:52:31 घंटे
सूर्यास्त	19:14:57 घंटे
दिनमान	13:22:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	19:03:54 कर्क
लग्न के अंश	18:13:58 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सौभाग्य
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गूजरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	18:13:58	309:39:42	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
सूर्य			कर्क	19:03:54	00:57:27	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	00:34:15	11:50:59	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			वृश्चि	23:03:16	00:12:55	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	स्वराशि
बुध		अ	कर्क	18:23:21	02:04:22	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	11:06:15	00:12:11	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	10:29:10	01:09:15	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि			वृष	18:42:54	00:05:05	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	12:03:15	00:06:29	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	12:03:15	00:06:29	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	29:23:35	00:02:20	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप	व		मक	13:20:55	00:01:37	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:45:17	00:00:35	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कर्क	21:49:21	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:30

लग्न-चलित

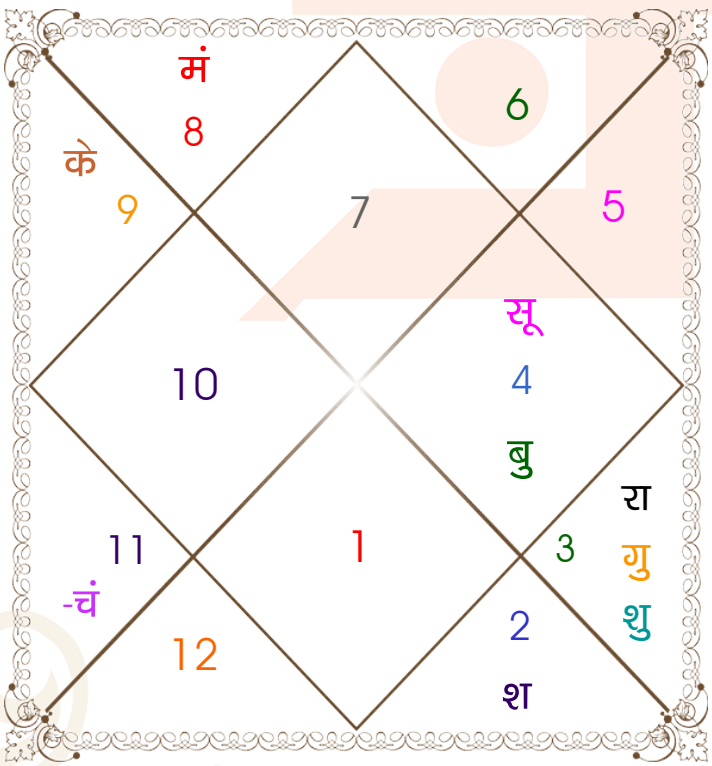

चन्द्र कुंडली

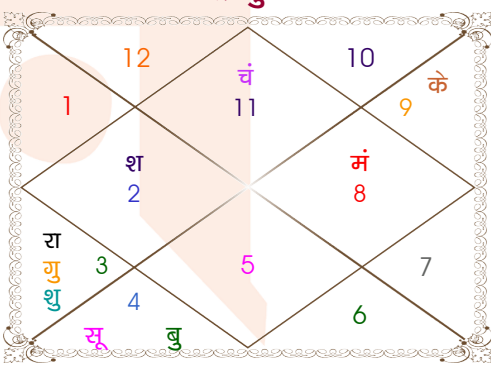

नवमांश कुंडली

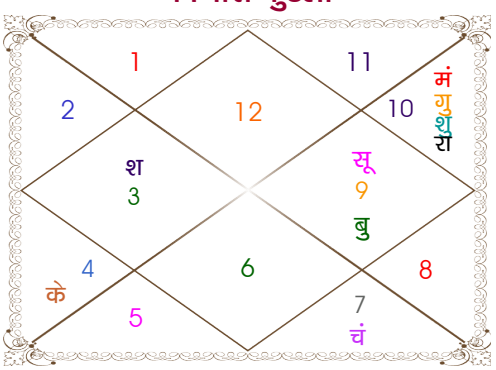

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 2 मास 12 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
05/08/2001		17/10/2004		17/10/2022		17/10/2038		17/10/2057	
17/10/2004		17/10/2022		17/10/2038		17/10/2057		17/10/2074	
	00/00/0000	राहु	30/06/2007	गुरु	05/12/2024	शनि	20/10/2041	बुध	15/03/2060
	00/00/0000	गुरु	23/11/2009	शनि	18/06/2027	बुध	29/06/2044	केतु	12/03/2061
	00/00/0000	शनि	29/09/2012	बुध	23/09/2029	केतु	08/08/2045	शुक्र	11/01/2064
	05/08/2001	बुध	18/04/2015	केतु	30/08/2030	शुक्र	08/10/2048	सूर्य	16/11/2064
बुध	15/04/2002	केतु	06/05/2016	शुक्र	30/04/2033	सूर्य	20/09/2049	चंद्र	18/04/2066
केतु	11/09/2002	शुक्र	06/05/2019	सूर्य	16/02/2034	चंद्र	21/04/2051	मंगल	15/04/2067
शुक्र	11/11/2003	सूर्य	30/03/2020	चंद्र	18/06/2035	मंगल	30/05/2052	राहु	01/11/2069
सूर्य	18/03/2004	चंद्र	29/09/2021	मंगल	24/05/2036	राहु	06/04/2055	गुरु	07/02/2072
चंद्र	17/10/2004	मंगल	17/10/2022	राहु	17/10/2038	गुरु	17/10/2057	शनि	17/10/2074

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/10/2074		17/10/2081		18/10/2101		19/10/2107		18/10/2117	
17/10/2081		18/10/2101		19/10/2107		18/10/2117		00/00/0000	
केतु	16/03/2075	शुक्र	16/02/2085	सूर्य	05/02/2102	चंद्र	18/08/2108	मंगल	16/03/2118
शुक्र	15/05/2076	सूर्य	16/02/2086	चंद्र	06/08/2102	मंगल	19/03/2109	राहु	04/04/2119
सूर्य	20/09/2076	चंद्र	18/10/2087	मंगल	12/12/2102	राहु	18/09/2110	गुरु	10/03/2120
चंद्र	21/04/2077	मंगल	17/12/2088	राहु	06/11/2103	गुरु	18/01/2112	शनि	19/04/2121
मंगल	17/09/2077	राहु	18/12/2091	गुरु	24/08/2104	शनि	18/08/2113	बुध	06/08/2121
राहु	05/10/2078	गुरु	18/08/2094	शनि	06/08/2105	बुध	18/01/2115		00/00/0000
गुरु	11/09/2079	शनि	17/10/2097	बुध	13/06/2106	केतु	19/08/2115		00/00/0000
शनि	20/10/2080	बुध	18/08/2100	केतु	18/10/2106	शुक्र	19/04/2117		00/00/0000
बुध	17/10/2081	केतु	18/10/2101	शुक्र	19/10/2107	सूर्य	18/10/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 2 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।